तुम रखवाला हूजो गुरूजी म्हारा,
म्हारा हिरदा ज्ञान दीजो गुरूजी म्हारा,
आड़ी वाट जाऊ मक जाण मती दीजो,
भूल्या के राह बतावजो,
भूल्या मन के फिरि समझावजों,
निर्भय पंथ बतावजो,
तुम रखवाला हुजो गुरूजी म्हारा।।

बन म जाई न गय्या चराऊ,
साझ पड़े घर आवजो,
प्रेम को डोर म्हारा गला सी लगावजो,
निर्गुण खुटी बंधाजो गुरूजी,
तुम रखवाला हुजो गुरूजी म्हारा।।

सत सुक्रत को चारो चरावजो,
दया को दाणो खीलावजो,
शील संतोष की छाया कराजो,
सोहम गुठाण बिठाजो,
तुम रखवाला हुजो गुरूजी म्हारा।।

अष्ठ पहर म्हारा संग म रइजो,
संत समागम मीलावजो,
कहें जण सिंगा सुणो गुरुदेवा,
आवागमन मिटावजो,

तुम रखवाला हुजो गुरूजी म्हारा।।

तुम रखवाला हूजो गुरूजी म्हारा,
म्हारा हिरदा ज्ञान दीजो गुरूजी म्हारा,
आड़ी वाट जाऊ मक जाण मती दीजो,
भूल्या के राह बतावजो,
भूल्या मन के फिरि समझावजों,
निर्भय पंथ बतावजो,
तुम रखवाला हुजो गुरूजी म्हारा।।

प्रेषक घनश्याम बागवान सिद्दीकगंज।
7879338198

Source:
https://www.bharattemples.com/tum-rakhwala-hujo-guruji-mhara-singaji-bhajan/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw